

## Vygotsky Theory of Socio-Cultural Development/ व्यगोत्सकी का सामाजिक संस्कृति विकास सिद्धांत

Lev Semyonovich Vygotsky was a psychologist who made extensive research into cognitive development and gave the theory of sociocultural development. He believed that the thinking of children is based on social knowledge and is developed through interaction with their culture. Children learn the customs, values, beliefs and language of their culture. The main principles of Vygotsky's theory are as follows:

लेव शिमोनोविच व्यागोत्सकी एक मनोवैज्ञानिक थे जिन्होंने संज्ञानात्मक विकास में व्यापक शोध किया और समाजशास्त्रीय विकास का सिद्धांत दिया। उनका मानना था कि बच्चों की सोच सामाजिक ज्ञान पर आधारित है और उनकी संस्कृति के साथ बातचीत के माध्यम से विकसित की जाती है। बच्चे अपनी संस्कृति के रीति-रिवाजों, मूल्यों, विश्वासों और भाषा को सीखते हैं। वायगोत्सकी के सिद्धांत के मुख्य सिद्धांत इस प्रकार हैं

- Knowledge is constructed by children. ज्ञान का निर्माण बच्चों द्वारा किया जाता है।
- Development cannot be separated from its social context. विकास को उसके सामाजिक संदर्भ से अलग नहीं किया जा सकता है।
- Learning leads to cognitive development. सीखने से संज्ञानात्मक विकास होता है।
- Culture is the main determinant of cognitive development. संस्कृति संज्ञानात्मक विकास का मुख्य निर्धारक है।
- Language plays an important role in mental development. भाषा मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

**According to Vygotsky,** "Learning is a necessary and universal aspect of the process of developing culturally organized, specifically human psychological function." वायगोत्सकी के अनुसार, सांस्कृतिक रूप से संगठित, विशेष रूप से मानव मनोवैज्ञानिक कार्य को विकसित करने की प्रक्रिया के लिए सीखना एक आवश्यक और सार्वभौमिक पहलू है।

He contradicted the Piaget's theory which states that development precedes learning. On the other hand, Vygotsky's believed that learning precedes development. उन्होंने पियागेट के सिद्धांत का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि विकास सीखने से पहले होता है। दूसरी ओर, वायगोत्सकी का मानना था कि सीखने से पूर्व विकास होता है।

**Vygotsky (1978) proposes,** "An essential feature of learning is that it creates the zone of proximal development; that is, learning awakens a variety of internal developmental processes that are able to operate only when the child is interacting with people in his environment and in cooperation with his peers. Once these processes are internalized, they become part of the child's independent developmental achievement." वायगोत्सकी (1978) का प्रस्ताव है, "सीखने की एक आवश्यक विशेषता यह है कि यह समीपस्थ विकास के क्षेत्र का निर्माण करता है, अर्थात्, सीखने से विभिन्न प्रकार की आंतरिक विकासात्मक प्रक्रियाएं जागृत होती हैं जो तभी संचालित होती हैं जब बच्चा अपने वातावरण में लोगों के साथ बातचीत कर रहा हो और अपने साथियों के साथ सहयोग में। एक बार इन प्रक्रियाओं को आंतरिक रूप देने के बाद, वे बच्चे की स्वतंत्र विकास उपलब्धि का हिस्सा बन जाते हैं।"

## Important Features of Vygotsky's वायगोत्स्की की महत्वपूर्ण विशेषताएं

Theory The important feature of Vygotsky's theory is the concept of the Zone of Proximal Development (ZPD). It is the gap between the present and potential levels of child's development. The two levels of attainment for ZPD are as follows: सिद्धांत वायगोत्स्की के सिद्धांत की महत्वपूर्ण विशेषता समीपवर्ती विकास क्षेत्र (ZPD) की अवधारणा है। यह बच्चे के विकास के वर्तमान और संभावित स्तरों के बीच की खाई है। ZPD के लिए प्राप्ति के दो स्तर इस प्रकार हैं।

**Level 1: Present level of development:** It states what a child can do independently. स्तर 1: विकास का वर्तमान स्तर: यह बताता है कि एक बच्चा स्वतंत्र रूप से क्या कर सकता है

**Level 2: Potential level of development:** It states what a child can do with the help of a teacher. This assistance by teachers is called scaffolding. स्तर 2: विकास का संभावित स्तर: यह बताता है कि एक शिक्षक की मदद से एक बच्चा क्या कर सकता है। शिक्षकों द्वारा इस सहायता को मचान कहा जाता है

ZPD states that the role of a teacher is necessary for a child's cognitive development. The teacher is a supportive tool for a student in ZPD. It is under this zone that the learning of a child occurs and he/she socialises more. In the words of Vygotsky. "What is in the zone of proximal development today will be the actual developmental level tomorrow." ZPD बताता है कि एक बच्चे के संज्ञानात्मक विकास के लिए एक शिक्षक की भूमिका आवश्यक है। शिक्षक ZPD में एक छात्र के लिए एक सहायक उपकरण है। यह इस क्षेत्र के अंतर्गत है कि एक बच्चे की सीख होती है और वह अधिक सामाजिकता करता है। व्यगोत्स्की के शब्दों में। "आज समीपस्थ विकास के क्षेत्र में जो है वह कल वास्तविक विकास स्तर होगा।"

**Major Characteristics of Lev Vygotsky's Theory are as follows:** लेव वायगोत्स्की के सिद्धांत के प्रमुख लक्षण इस प्रकार हैं

- Vygotsky emphasised on social interaction which plays a remarkable role in the process of cognitive development. वायगोत्स्की ने सामाजिक संपर्क पर जोर दिया जो संज्ञानात्मक विकास की प्रक्रिया में एक उल्लेखनीय भूमिका निभाता है
- Vygotsky introduced the concepts of Zone of Proximal Development (ZPD)'. It is a name given to an innovative metaphor that is capable of describing not the actual, but the potential of an individual's cognitive development. वायगोत्स्की ने समीपस्थ विकास के क्षेत्र (ZPD) की अवधारणाओं की शुरुआत की। ' यह एक अभिनव रूपक को दिया गया नाम है जो वास्तविक नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति के संज्ञानात्मक विकास की क्षमता का वर्णन करने में सक्षम है।
- Vygotsky found in his theory how higher cognitive functions are developed within an individual on the basis of his / her previous experiences or in effect of his/her cultural and social values. वायगोत्स्की ने अपने सिद्धांत में पाया कि किसी व्यक्ति के भीतर उसके पूर्व अनुभवों के आधार पर या उसके सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रभाव में उच्च संज्ञानात्मक कार्य कैसे विकसित होते हैं